
Shri Shanibadha Vimochana Shabarishvara Ashtakam

श्रीशनिबाधा विमोचन शबरीश्वराष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Shanibadha Vimochana Shabarishvara Ashtakam

File name : shabarIshvarAShTakam.itx

Category : deities_misc, ayyappa, aShTaka

Location : doc_deities_misc

Proofread by : Mohan Chettoor

Latest update : October 8, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

October 8, 2022

sanskritdocuments.org


श्रीशनिबाधा विमोचन शबरीश्वराष्टकम्



शनिबाधाविनाशाय घोरसन्तापहारिणे ।
कानकालयवासाय भूतनाथाय ते नमः ॥ १ ॥
दारिद्र्यजातात्रोगऽतीन्बुद्धिमान्द्यादि सङ्कटान् ।
क्षिप्रं नाशाय हे देवा शनिबाधाविनाशक ॥ २ ॥
भूतबाधामहा दुःखमध्यवर्तिनमीशमाम् ।
पालय त्वं महाबाहो सर्वदुःखविनाशक ॥ ३ ॥
अवाच्यानि महादुःखान्यमेयानि निरन्तरम् ।
सम्भवन्ति दुरन्तानि तानि नाशय मे प्रभो ॥ ४ ॥
मायामोहान्यनन्तानि सर्वाणि करुणाकर ।
दूरीकुरु सदा भक्तहृदयानन्ददायक ॥ ५ ॥
अनेकजन्म सम्भूतान्तापपापान्गुहेश्वर ।
चूर्णीकुरु कृपासिन्धोसिन्धुजाकान्त सन्तते ॥ ६ ॥
उन्मत्तोत्भूत सन्तापकान् कृपान् महेश्वर ।
हस्तावलम्बं दत्वं मां रक्ष रक्ष शनैश्वर ॥ ७ ॥
देहि मे बुद्धिवैशिष्ट्यं देहि मे नित्ययौवनम् ।
देहि मे परमानन्दं देव देव जगत्पते ॥ ८ ॥
इति श्रीशनिबाधा विमोचन शबरीश्वराष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Mohan Chettoor

pdf was typeset on October 8, 2022

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

